मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BHDC–131

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य) (बी. ए. जी.)

(सी. बी. सी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एच.डी.सी.–131 : हिंदी साहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. हिंदी साहित्य के काल–विभाजन के विभिन्न प्रयासों पर प्रकाश डालिए।

2. भक्ति काव्य में तत्कालीन सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों का चित्रण किस प्रकार से हुआ है ? सोदाहरण बताइए।

3. निर्गुण संत काव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक भावभूमि की विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

4. भारतीय परंपरा में प्राचीन समय से लेकर तुलसीदास तक के रामभक्ति साहित्य के विकास पर प्रकाश डालिए।

5. बिहारी के काव्य की विशिष्टताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

6. भारतेंदु युग के प्रमुख निबंधकारों का उल्लेख कीजिए।

7. मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशिष्टताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

8. प्रेमचंद युग की हिंदी कहानी के विकास पर प्रकाश डालिए।

9. ग्रामीण तथा आंचलिक उपन्यास में अंतर स्पष्ट करते हुए प्रमुख उपन्यासकारों पर प्रकाश डालिए।

10. हिंदी नाट्य साहित्य को कितने युगों में बाँट सकते हैं ? उनकी विशद् विवेचना कीजिए।

× × × × ×